नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

नं. 1

संजीव®

बुक्स

इतिहास-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1, 2, 3

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

  *****

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग-1

1. **ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ**
हड़प्पा सभ्यता 1–34

2. **राजा, किसान और नगर**
आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ
(लगभग 600 ई. पूर्व से 600 ईसवी) 35–67

3. **बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग**
आरम्भिक समाज
(लगभग 600 ई. पूर्व से 600 ईसवी) 68–96

4. **विचारक, विश्वास और इमारतें**
सांस्कृतिक विकास
(लगभग 600 ईसा पूर्व से ईसा संवत् 600 तक) 97–125

भाग-2

5. **यात्रियों के नज़रिए**
समाज के बारे में उनकी समझ
(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक) 126–159

6. **भक्ति-सूफी परम्पराएँ**
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक) 160–195

7. **एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर**
(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक) 196–226

8. **किसान, जमींदार और राज्य**
कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी) 227–262

भाग-3

9. उपनिवेशवाद और देहात
(सरकारी अभिलेखों का अध्ययन) 263–290

10. विद्रोही और राज
(1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान) 291–314

11. महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन
(सविनय अवज्ञा और उससे आगे) 315–343

12. संविधान का निर्माण
(एक नये युग की शुरुआत) 344–364

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **365–376**

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

इतिहास

(History)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
(5) प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
(6) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'अ' (Section-A)

1. बहुविकल्पी प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
Multiple Choice Questions : Answer the following questions by selecting the correct option and write them in the answer sheet.

(i) सिन्धु सभ्यता का स्थल, कालीबंगन, निम्न में से किस राज्य में स्थित है? [1]
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) राजस्थान (स) पंजाब (द) हरियाणा

(ii) मोहनजोदड़ो बस्ती कितने भागों में विभाजित थी? [1]
(अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) पाँच

(iii) तीर्थयात्री श्वैन-त्सांग किस देश से आए थे? [1]
(अ) चीन (ब) यूनान (स) फ्रांस (द) जर्मनी

(iv) गोतमी-पुत्त सिरी-सातकनि किस वंश के प्रसिद्ध शासक थे? [1]
(अ) शक (ब) कुषाण (स) सातवाहन (द) मौर्य

(v) जैन परम्परा के अनुसार महावीर से पहले कितने तीर्थंकर हो चुके थे? [1]
(अ) 21 (ब) 22 (स) 23 (द) 24

(vi) निम्न में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है? [1]

यात्री	देश
(अ) फ्रांस्वा बर्नीयर	फ्रांस
(ब) इब्न बतूता	मोरक्को
(स) पीटर मुंडी	जर्मनी
(द) मार्को पोलो	इटली

(vii) 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' ग्रन्थ किसने लिखा? [1]
(अ) पीटर मुंडी (ब) दूरते बारबोसा (स) फ्रांस्वा बर्नीयर (द) अंतोनियो मानसेरेते

(viii) इब्न बतूता को किस शहर का काजी या न्यायाधीश नियुक्त किया गया? [1]
(अ) दिल्ली (ब) दौलताबाद (स) औरंगाबाद (द) आगरा

(ix) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किस वर्ष हुई थी? [1]
(अ) 1330 (ब) 1336 (स) 1340 (द) 1345

(x) 'यवन' शब्द का प्रयोग किनके लिए किया जाता था? [1]
(अ) यूनानियों के लिए (ब) अंग्रेजों के लिए (स) फ्रांसिसीयों के लिए (द) शकों के लिए

(xi) बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त कब लागू किया गया? [1]
(अ) 1790 (ब) 1793 (स) 1795 (द) 1799

(xii) निम्न में से कौनसी घटना सबसे पहले हुई? [1]
(अ) भारत छोड़ो आन्दोलन (ब) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

(स) असहयोग आन्दोलन (द) जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड

(xiii) संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए थे? [1]

(अ) 9 (ब) 11 (स) 13 (द) 15

(xiv) संविधान निर्माण के समय भारत सरकार के संवैधानिक सलाहकार कौन थे? [1]

(अ) एस. एन. मुखर्जी (ब) जवाहर लाल नेहरू (स) बी. एन. राव (द) बी. आर. अम्बेडकर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

Fill in the blanks :

(i) सिन्धु सभ्यता में बाट सामान्यतः ..... नामक पत्थर से बनाए जाते थे। [1]
In the Indus civilization, weights were generally made from a stone called ..... .

(ii) मंदसौर को पहले ..... के नाम से जाना जाता था। [1]
Mandasor was earlier known as ..... .

(iii) ..... दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है। [1]
According to ..... philosophy, the world is transient and constantly changing.

(iv) हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. में एक अभियन्ता तथा पुराविद ..... द्वारा प्रकाश में लाए गए थे। [1]
The ruin at Hampi were brought to light in 1800 by an engineer and antiquarian named ..... .

(v) 1860 के दशक से पहले, ब्रिटेन में कच्चे माल के तौर पर आयात की जाने वाली समस्त कपास का तीन-चौथाई भाग ..... से आता था। [1]
Before the 1860s, three-fourth of raw cotton imports into Britain came from ..... .

(vi) सहायक संधि ..... द्वारा 1798 में तैयार की गई एक व्यवस्था थी। [1]
Subsidiary Alliance was a system devised by ..... in 1798.

(vii) 13 दिसम्बर, 1946 को ..... ने संविधान सभा के सामने 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया। [1]
On 13 December 1946, ... introduced the 'Objectives Resolution' in the Constituent Assembly.

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

Very Short Answer Type Questions : Answer the following questions in **one** word or **one** line.

(i) आप कैसे कह सकते हैं कि सिन्धुवासियों का सुदूर क्षेत्रों से भी सम्पर्क था? [1]
How can you say that the Indus people had contact with distant lands also?

(ii) पाटलिपुत्र को वर्तमान में क्या कहा जाता है? [1]
What is Pataliputra called at Present?

(iii) मातृवंशिकता का अर्थ क्या है? [1]
What is the meaning of Matriliny?

(iv) इब्न बतूता के अनुसार 'दावा' डाक व्यवस्था क्या थी? [1]
According to Ibn Battuta, what was the 'Dawa' postal system?

(v) शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह किस शहर में है? [1]
In which city is the Dargah of Shaikh Nizamuddin Auliya?

(vi) गोपुरम किसे कहते हैं? [1]
What is Gopuram?

(vii) मुकद्दम या मंडल शब्द किसके लिए प्रयोग में लिया जाता था? [1]
For what was the word muqaddam or mandal used?

(viii) 1929 का कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन किस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण था? [1]
In what sense was the Lahore session of the Congress of 1929 important?

(ix) गरीबों के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करने के लिए गाँधीजी ने क्या किया? [1]
What did Gandhiji do to establish his identity with poor?

(x) राष्ट्रीय ध्वज के प्रस्ताव को संविधान सभा में किसने पेश किया था? [1]
Who introduced the proposal for the National Flag in the Constituent Assembly?

खण्ड-'ब' (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 50 शब्द)
Short Answer Type Questions : (Answer word-limit approx. **50** words)

4. आपके विचार से सिन्धु घाटी सभ्यता का अन्त किस प्रकार हुआ? समझाइये। [2]
How do you think the Indus Valley Civilization came to an end? Explain.

5. सिक्कों से क्या ऐतिहासिक जानकारियाँ प्राप्त होती हैं? [2]
What historical information is obtained from coins?

6. स्त्रीधन किसे कहते हैं? [2]
What is called stridhana?

7. किन्हीं दो स्तूपों के नाम लिखिए। [1+1=2]
Write the names of any two stupas.

8. इब्न बतूता ने वानस्पतिक उपज 'पान' का चित्रण किस प्रकार किया? [2]
How has Ibn Battuta depicted the plant produced product 'Paan'?

9. आपके विचार से चिश्ती सिलसिला की किन विशेषताओं ने उसे लोकप्रिय बनाया? [2]
In your opinion, what characteristics of the Chishti silsila made it popular?

10. विजयनगर साम्राज्य के किन्हीं दो राजकीय केन्द्रों के नाम लिखिए। [1+1=2]
Write the names of any two Royal centers of Vijayanagara Empire.

11. पोलज व परौती जमीन में अन्तर स्पष्ट कीजिए। [2]
Explain the difference between Polaj and Parauti land.

12. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट, इतिहासकारों को किस प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराती है? [2]
What kind of material does the Deccan Riot Commission report provide to historians?

13. 'उपनिवेशवाद और देहात' नामक अध्याय में कुदाल और हल से क्या आशय है? [1+1=2]
What is meant by the Hoe and the plough in the chapter titled 'Colonialism and countryside'?

14. सहायक सन्धि की कोई दो शर्तें लिखिए। [1+1=2]
Write any two terms and conditions of subsidiary alliance.

15. संविधान सभा ने अस्पृश्यता उन्मूलन हेतु क्या सुझाव दिए? कोई दो सुझाव लिखिए। [1+1=2]
What recommendation did the Constituent Assembly give for the abolition of untouchability?

खण्ड-'स' (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 100 शब्द)
Long Answer Type Questions : (Answer word-limit approx. **100** words)

16. मौर्य वंश की जानकारी किन स्रोतों से प्राप्त होती है? लिखिए। [3]
From which sources is information about the Maurya dynasty obtained? Write.

अथवा/OR

मौर्य साम्राज्य के प्रमुख राजनीतिक केन्द्रों के बारे में लिखिए।
Write about the major political centers of the Maurya Empire.

17. बौद्ध दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं को स्पष्ट कीजिए। [3]
Explain the main teaching of Buddhist Philosophy.

अथवा/OR

वैष्णववाद का विकास किस प्रकार हुआ? समझाइए।

How did Vaishnavism develop? Explain.

18. मुगलकालीन भारत में कभी-कभी किसानों और दस्तकारों के बीच फर्क करना मुश्किल होता था। कथन की विवेचना कीजिए। [3]

In Mughal India, it was sometimes difficult to differentiate between peasants and artisans. Discuss the statement.

अथवा/OR

मुगलकालीन भारत में पंचायतों के कार्यों की विवेचना कीजिए।

Discuss the function of Panchayat in Mughal India.

19. 1857 का आन्दोलन किस प्रकार शुरू हुआ? वर्णन कीजिए। [3]

How did the movement of 1857 start? Describe.

अथवा/OR

1857 की अफवाहों पर लोग विश्वास क्यों कर रहे थे? स्पष्ट कीजिए।

Why were people believing the rumours of 1857.

खण्ड-'द' (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 250 शब्द)

Essay Type Questions : (Answer word-limit approx. **250** words)

20. बाबा गुरुनानक की कौनसी शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं? [4]

Which teaching of Baba Guru Nanak are relevant even today?

अथवा/OR

आपके विचार से अलवार और नयनार संतों के किन विचारों ने लोगों को प्रभावित किया?

In your opinion, which ideas of Alvars and Nayanars saints influenced the people?

21. भारत छोड़ो आन्दोलन सही मायने में एक जनांदोलन था। स्पष्ट कीजिए। [4]

Quit India was genuinely a mass movement. Explain.

अथवा/OR

सविनय अवज्ञा आन्दोलन की विस्तृत विवेचना कीजिए।

Discuss the Civil Disobedience Movement in detail.

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए : [1+1+1+1+1=5]

(अ) राखीगढ़ी (ब) नासिक (स) पाटलिपुत्र (द) कलिंग
(य) मेरठ

Mark the following Historical places in the outline map of India :

(a) Rakhigarhi (b) Nashik (c) Pataliputra (d) Kalinga
(e) Meerut

अथवा/OR

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए :

(अ) रंगपुर (ब) अजंता (स) उज्जयिनी (द) मथुरा
(य) मद्रास

Mark the following Historical places in the outline map of India :

(a) Rangapur (b) Ajanta (c) Ujjayini (d) Mathura
(e) Madras

इतिहास कक्षा-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1

1. ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ

हड़प्पा सभ्यता

पाठ-सार

1. हड़प्पा सभ्यता—सिन्धुघाटी सभ्यता को हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है। इस सभ्यता का नामकरण, हड़प्पा नामक स्थान के नाम पर किया गया है, जहाँ यह संस्कृति पहली बार खोजी गई थी। हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण लगभग 2600 और 1900 ईसा पूर्व के बीच किया गया है। इस क्षेत्र में इस सभ्यता से पहले और बाद में भी संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं, जिन्हें क्रमशः आरम्भिक तथा परवर्ती हड़प्पा कहा जाता है। इन संस्कृतियों से हड़प्पा सभ्यता को अलग करने के लिए कभी-कभी इसे विकसित हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है।

2. आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ—इस क्षेत्र में विकसित हड़प्पा से पहले की कई संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। ये संस्कृतियाँ अपनी विशिष्ट मृदभाण्ड शैली से सम्बद्ध थीं। इसके संदर्भ में हमें कृषि, पशुपालन तथा कुछ शिल्पकारी के साक्ष्य भी मिलते हैं।

3. निर्वाह के तरीके—विकसित हड़प्पा संस्कृति कुछ ऐसे स्थानों पर पनपी जहाँ पहले आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। हड़प्पा सभ्यता के निवासी कई प्रकार के पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पाद तथा जानवरों से प्राप्त भोजन करते थे। ये लोग गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा, चावल आदि का सेवन करते थे। ये लोग भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर के मांस का भी सेवन करते थे। हड़प्पा स्थलों से भेड़, बकरी, भैंसे, सूअर आदि जानवरों की हड्डियाँ प्राप्त हुई हैं। ये मछली का भी सेवन करते थे।

4. कृषि प्रौद्योगिकी—हड़प्पा-निवासी बैल से परिचित थे। पुरातत्वविदों की मान्यता है कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। चोलिस्तान के कई स्थलों से तथा बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप मिले हैं। कालीबंगन नामक स्थान पर जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है। कुछ पुरातत्वविदों के अनुसार हड़प्पा सभ्यता के लोग लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों तथा धातु के औजारों का प्रयोग करते थे।

5. मोहनजोदड़ो : एक नियोजित शहर—मोहनजोदड़ो बस्ती दो भागों में विभाजित है। एक छोटा परन्तु ऊँचाई पर बनाया गया। दूसरा अधिक बड़ा परन्तु नीचे बनाया गया। पुरातत्वविदों ने इन्हें क्रमशः दुर्ग और निचला शहर का नाम दिया है। दुर्ग को दीवार से घेरा गया था, जिसका अर्थ है कि इसे निचले शहर से अलग किया गया था। मोहनजोदड़ो का दूसरा भाग निचला शहर था जो दीवार से घेरा गया था। यहाँ कई भवनों को ऊँचे चबूतरों पर बनाया गया था जो नींव का कार्य करते थे। पहले बस्ती का नियोजन किया गया था, फिर उसके अनुसार उसका कार्यान्वयन किया गया। ईंटें एक निश्चित अनुपात में होती थीं। ये धूप में सुखाकर अथवा भट्टी में पका कर बनाई गई थीं।

6. नालों का निर्माण—सड़कों या गलियों को लगभग एक 'ग्रिड' पद्धति में बनाया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गया था। घरों के गन्दे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ा गया था। हर आवास गली में नालियों का निर्माण किया गया था। मुख्य नाले ईंटों से बने थे और उन्हें ईंटों से ढका गया था।

7. गृह स्थापत्य—मोहनजोदड़ो का निचला शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है। कई भवन एक आँगन पर केन्द्रित थे जिसके चारों ओर कमरे बने थे। आँगन खाना पकाने, कताई करने जैसी गतिविधियों का केन्द्र था। प्रत्येक मकान में एक स्नानघर होता था। कई मकानों में कुएँ थे। मोहनजोदड़ो में लगभग 700 कुएँ थे। मकानों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं।

8. दुर्ग–मोहनजोदड़ो में दुर्ग पर अनेक संरचनाएँ थीं जिनमें माल गोदाम तथा विशाल स्नानागार उल्लेखनीय थे। माल गोदाम एक ऐसी विशाल संरचना है जिसके ईंटों से बने केवल निचले हिस्से शेष हैं। विशाल स्नानागार आँगन में बना एक आयताकार जलाशय है जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ है। जलाशय के तल तक जाने के लिए दो सीढ़ियाँ बनी हुई थीं। इसके उत्तर में एक छोटी संरचना थी जिसमें आठ स्नानागार बने हुए थे।

9. शवाधान–सामान्यतया मृतकों को गर्तों में दफनाया जाता था। मृतकों के साथ मृदभाण्ड, आभूषण, शंख के छल्ले, तांबे के दर्पण आदि वस्तुएँ भी दफनाई जाती थीं।

10. विलासिता की वस्तुओं की खोज–फयॉन्स (घिसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाया गया पदार्थ) के छोटे पात्र सम्भवत: कीमती माने जाते थे क्योंकि इन्हें बनाना कठिन था। महंगे पदार्थों से बनी दुर्लभ वस्तुएँ सामान्यत: मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसी बड़ी बस्तियों में ही मिलती हैं, छोटी बस्तियों में ये विरले ही मिलती हैं।

11. शिल्प-उत्पादन के विषय में जानकारी–चन्हूदड़ो नामक बस्ती पूरी तरह से शिल्प-उत्पादन में लगी हुई थी। शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे। मनके जैस्पर, स्फटिक, क्वार्ट्ज, सेलखड़ी जैसे पत्थर, ताँबा, काँसा तथा सोने जैसी धातुओं, शंख आदि से बनाए जाते थे। नागेश्वर तथा बालाकोट शंख से बनी हुई वस्तुओं के प्रसिद्ध केन्द्र थे। यहाँ शंख से चूड़ियाँ, करछियाँ, पच्चीकारी की वस्तुएँ बनाई जाती थीं।

12. उत्पादन केन्द्रों की पहचान–शिल्प-उत्पादन में केन्द्रों की पहचान के लिए पुरातत्वविद सामान्यत: इन चीजों को ढूँढ़ते हैं–प्रस्तरपिंड, पूरा शंख, ताँबा–अयस्क जैसा कच्चा माल, औजार, अपूर्ण वस्तुएँ, त्याग किया गया माल तथा कूड़ा-करकट।

13. माल प्राप्त करने सम्बन्धी नीतियाँ–बैलगाड़ियाँ सामान तथा लोगों के लिए स्थलमार्गों द्वारा परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण साधन थीं। सिन्धु नदी तथा इसकी उपनदियों के आस-पास बने नदी-मार्गों और तटीय मार्गों का भी प्रयोग किया जाता था।

14. उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल–नागेश्वर तथा बालाकोट से शंख प्राप्त किये जाते थे। नीले रंग का कीमती पत्थर लाजवर्द मणि को शोर्तुघई (सुदूर अफगानिस्तान) से, गुजरात में स्थित भड़ौच से कार्नीलियन, दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से सेलखड़ी और धातु राजस्थान से मंगाई जाती थी। लोथल इनके स्रोतों के निकट स्थित था। राजस्थान के खेतड़ी अँचल (ताँबे के लिए) तथा दक्षिणी भारत (सोने के लिए) को अभियान भेजे जाते थे।

15. सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क–पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि ताँबा सम्भवत: अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी छोर पर स्थित ओमान से भी लाया जाता था। मेसोपोटामिया के लेख से ज्ञात होता है कि कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना आदि मेलुहा से प्राप्त किये जाते थे।

16. मुहरें और मुद्रांकन–मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लम्बी दूरी के सम्पर्कों को सुविधाजनक बनाने के लिए होता था।

17. एक रहस्यमय लिपि–हड़प्पाई मुहरों पर कुछ लिखा हुआ है जो सम्भवत: मालिक के नाम और पदवी को दर्शाता है। यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है। सम्भवत: यह लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी।

18. बाट–विनिमय बाटों की एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियन्त्रित थे। ये सामान्यतया घनाकार होते थे। इन बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 इत्यादि) थे जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे। छोटे बाटों का प्रयोग सम्भवत: आभूषणों और मनकों को तौलने के लिए किया जाता था।

19. प्राचीन सत्ता–हड़प्पाई पुरावस्तुओं में जैसे–मुहरों, बाटों, ईंटों आदि में एकरूपता थी। बस्तियाँ विशेष स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्थापित की गई थीं। इन सभी क्रियाकलापों को कोई राजनीतिक सत्ता संगठित करती थी।

20. प्रासाद तथा शासक–कुछ पुरातत्वविदों का मत है कि मोहनजोदड़ो में एक विशाल भवन मिला है, वह एक राज-प्रासाद ही है। कुछ पुरातत्वविदों की मान्यता है कि हड़प्पाई समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की

सामाजिक स्थिति समान थी। कुछ पुरातत्वविदों के अनुसार यहाँ कई शासक थे। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यह एक ही राज्य था।

21. हड़प्पा सभ्यता का अन्त–लगभग 1800 ईसा पूर्व तक चोलिस्तान में अधिकांश विकसित हड़प्पा स्थलों को त्याग दिया गया था। सम्भवत: उत्तरी हड़प्पा के क्षेत्र 1900 ईसा पूर्व के बाद भी अस्तित्व में रहे। हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारण थे-(1) जलवायु परिवर्तन (2) वनों की कटाई (3) भीषण बाढ़ (4) नदियों का सूख जाना (5) नदियों का मार्ग बदल लेना (6) भूमि का अत्यधिक उपयोग (7) सुदृढ़ एकीकरण के तत्त्व का अन्त होना।

22. हड़प्पा सभ्यता की खोज–बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक दशकों में दयाराम साहनी ने हड़प्पा में कुछ मुहरों की खोज की। राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो से कुछ मुहरें खोज निकालीं। इन्हीं खोजों के आधार पर 1924 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने पूरे विश्व के सामने सिन्धुघाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा की।

23. कनिंघम का भ्रम–डायरेक्टर जनरल कनिंघम ने उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में पुरातात्त्विक उत्खनन आरम्भ किए, तब पुरातत्त्वविद् अपने अन्वेषणों के मार्गदर्शन के लिए लिखित स्रोतों (साहित्य तथा अभिलेख) का प्रयोग अधिक पसन्द करते थे। हड़प्पा जैसा पुरास्थल कनिंघम के अन्वेषण के ढाँचे में उपयुक्त नहीं बैठता था। कनिंघम समझ नहीं पाए कि ये पुरावस्तुएँ कितनी प्राचीन थीं।

24. एक नवीन प्राचीन सभ्यता–बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक दशकों में पुरातत्त्वविदों ने हड़प्पा में मुहरें खोज निकालीं जो निश्चित रूप से आरम्भिक ऐतिहासिक स्तरों से कहीं अधिक प्राचीन स्तरों से सम्बद्ध थीं एवं इनके महत्त्व को समझा जाने लगा। खोजों के आधार पर 1924 में भारतीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने पूरे विश्व के समक्ष सिन्धु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा की।

25. नई तकनीकें तथा प्रश्न–हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल अब पाकिस्तान के क्षेत्र में हैं। इसी कारण से भारतीय पुरातत्वविदों ने भारत में पुरास्थलों को चिह्नित करने का प्रयास किया। कच्छ में हुए सर्वेक्षणों से कई हड़प्पा बस्तियाँ प्रकाश में आईं तथा पंजाब और हरियाणा में किए गए अन्वेषणों से हड़प्पा स्थलों की सूची में कई नाम और जुड़ गए हैं। कालीबंगन, लोथल, राखीगढ़ी, धौलावीरा की खोज इन्हीं प्रयासों का हिस्सा है। 1980 के दशक से हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में उपमहाद्वीप के तथा विदेशी विशेषज्ञ संयुक्त रूप से कार्य करते रहे हैं।

26. अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएँ–मृदभाण्ड, औजार, आभूषण, घरेलू सामान आदि भौतिक साक्ष्यों से हड़प्पा सभ्यता के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकती है।

27. खोजों का वर्गीकरण–वर्गीकरण का एक सामान्य सिद्धान्त प्रयुक्त पदार्थों जैसे–पत्थर, मिट्टी, धातु, अस्थि, हाथीदाँत आदि के सम्बन्ध में होता है। दूसरा सिद्धान्त उनकी उपयोगिता के आधार पर होता है। कभी-कभी पुरातत्वविदों को अप्रत्यक्ष साक्ष्यों का सहारा लेना पड़ता है। पुरातत्वविदों को संदर्भ की रूपरेखाओं को विकसित करना पड़ता है।

28. व्याख्या की समस्याएँ–पुरातात्विक व्याख्या की समस्याएँ सम्भवत: सबसे अधिक धार्मिक प्रथाओं के पुनर्निर्माण के प्रयासों में सामने आती हैं। कुछ वस्तुएँ धार्मिक महत्त्व की होती थीं। इनमें आभूषणों से लदी हुई नारी मृण्मूर्तियाँ शामिल हैं। इन्हें मातृदेवी की संज्ञा दी गई है। कुछ मुहरों पर पेड़-पौधे उत्कीर्ण हैं। ये प्रकृति की पूजा के संकेत देते हैं। कुछ मुहरों पर एक व्यक्ति योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है। उसे 'आद्य शिव' की संज्ञा दी गई है। पत्थर की शंक्वाकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

कालरेखा 1
आरम्भिक भारतीय पुरातत्व के प्रमुख कालखंड

20 लाख वर्ष (वर्तमान से पूर्व)	निम्न पुरापाषाण
80,000	मध्य पुरापाषाण
35,000	उच्च पुरापाषाण

12,000	मध्य पाषाण
10,000	नवपाषाण (आरम्भिक कृषक तथा पशुपालक)
6,000	ताम्रपाषाण (ताँबे का पहली बार प्रयोग)
2600 ई. पूर्व	हड़प्पा सभ्यता
1000 ई. पूर्व	आरम्भिक लौहकाल, महापाषाण शवाधान
600 ई. पूर्व–400 ई. पूर्व	आरम्भिक ऐतिहासिक काल

सभी तिथियाँ अनुमानित हैं। इसके अतिरिक्त उपमहाद्वीप के अलग-अलग भागों में हुए विकास की प्रक्रिया में व्यापक विविधताएँ हैं। यहाँ दी गईं तिथियाँ हर चरण के प्राचीनतम साक्ष्य को इंगित करती हैं।

कालरेखा 2
हड़प्पाई पुरातत्व के विकास के प्रमुख चरण

उन्नीसवीं शताब्दी 1875	हड़प्पाई मुहर पर कनिंघम की रिपोर्ट
बीसवीं शताब्दी	
1921	माधो स्वरूप वत्स द्वारा हड़प्पा में उत्खननों का आरम्भ
1925	मोहनजोदड़ो में उत्खननों का प्रारम्भ
1946	आर.ई.एम. व्हीलर द्वारा हड़प्पा में उत्खनन
1955	एस.आर. राव द्वारा लोथल में खुदाई का आरम्भ
1960	बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर के नेतृत्व में कालीबंगन में उत्खननों का आरम्भ
1974	एम.आर. मुगल द्वारा बहावलपुर में अन्वेषणों का आरम्भ
1980	जर्मन-इतालवी संयुक्त दल द्वारा मोहनजोदड़ो में सतह-अन्वेषणों का आरम्भ
1986	अमरीकी दल द्वारा हड़प्पा में उत्खननों का आरम्भ
1990	आर.एस. बिष्ट द्वारा धौलावीरा में उत्खननों का आरम्भ

पाठगत प्रश्न

पृष्ठ संख्या 4

प्रश्न 1. क्या आपको लगता है कि इन औजारों का प्रयोग फसल कटाई के लिए किया जाता होगा ?

उत्तर–पुरातत्वविदों ने फसलों की कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों को पहचानने का प्रयास भी किया है। इसके लिए हड़प्पा सभ्यता के लोग लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों का प्रयोग करते थे या फिर वे धातु के औजारों का प्रयोग करते होंगे। इन औजारों को देखने से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इनका प्रयोग फसलों की कटाई के लिए किया जाता होगा।

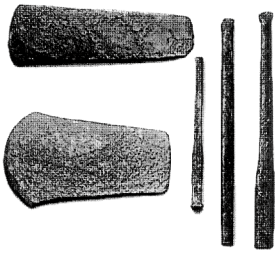

चित्र : धातु के औज़ार

पृष्ठ संख्या 4 : चर्चा कीजिए

प्रश्न 2. आहार सम्बन्धी आदतों को जानने के लिए पुरातत्वविद किन साक्ष्यों का इस्तेमाल करते हैं ?

उत्तर–आहार सम्बन्धी आदतों को जानने के लिए पुरातत्वविद निम्नलिखित साक्ष्यों का प्रयोग करते हैं—

(1) जले अनाज के दानों तथा बीजों की खोज–जले अनाज के दानों तथा बीजों की खोज से पुरातत्वविद आहार सम्बन्धी आदतों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। इनका अध्ययन पुरा-वनस्पतिज्ञ करते हैं जो प्राचीन वनस्पति के अध्ययन के विशेषज्ञ होते हैं। अनाज के दानों में गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना तथा तिल शामिल हैं। बाजरे के दाने गुजरात के स्थलों से प्राप्त हुए थे।

(2) जानवरों की हड्डियाँ–हड़प्पा-स्थलों से मिली जानवरों की हड्डियों में पशुओं भेड़, बकरी, भैंसे या सूअर